सुविचार

समझदार इंसान ना तो किसी की बुराई सुनता है और न ही किसी की बुराई करता है

साप्ताहिक

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

पेज -7

वर्ष 6, अंक 48 | भोपाल, शुक्रवार 7 मई 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

बिहार में बारात में हड़कंप अचानक चली गोली

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद में शादी का जश्न चल रहा था, इसी दौरान अचानक चली गोली से कोहराम मच गया। गोली दूल्हे के बड़े भाई को लगी, उसे गंभीर अवस्था में तुरंत ही सदर अस्पताल ले जाया गया। खुद दूल्हा ही अपने भाई को लेकर अस्पताल गया। वहां

प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत ही मेडिकल कॉलेज जमुहार रेफर कर दिया गया। पूरा मामला ओबरा थाना इलाके के कदीयाही गांव का है। बताया जा रहा कि हसनबार गांव निवासी इंद्रदेव यादव के बेटे अजय यादव की बारात ओबरा प्रखंड के छोटकी कदीयाही गांव के भोला यादव के घर आई थी। अभी बाराती-सराती का मिलन कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान में देवी मंदिर के पास गोली चली और वह दूल्हे के भाई अशोक यादव की कमर में जा लगी। इसके बाद तो बारात में अफरा-तफरी मच गई।

आर्मी मेडिकल ऑफीसर्स के लिए टूर ऑफ ड्यूटी की शुरुआत

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कहर से निपटने के लिए इंडियन आर्मी, नेवी, एयरफोर्स लगातार सिविल एडमिनिस्ट्रेशन की मदद कर रही है। मेडिकल ऑफिसर्स की संख्या कम न हो और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन को भी मदद

मिलती रहे इसके लिए अब ऑर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज से रिटायर हुए मेडिकल ऑफिसर्स को टूर ऑफ ड्यूटी के तहत फिर से कॉन्ट्रैक्ट पर रिक्रूट किया जा रहा है। इस संबंध में राष्ट्रपति से मंजूरी मिल गई है। रक्षा मंत्रालय ने आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज के डायरेक्टर जनरल को पत्र भेजकर इसके बारे में अवगत कराया है। इसमें कहा गया है कि कोविड मामलों में आई अचानक तेजी की वजह से पूर्व एएमसी (आर्मी मेडिकल कोर) और एसएससी (शॉर्ट सर्विस कमिशन) मेडिकल ऑफिसर्स को टूर ऑफ ड्यूटी स्कीम के तहत फिर से रिक्रूट किया जा सकता है। अभी सिर्फ 400 लोगों को ही रिक्रूट किया जाएगा।

ऑक्सीजन पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को आदेश

दिल्ली को रोज 700 मीट्रिक टन देनी ही पड़ेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को फिर सुनवाई हुई। अदालत ने सख्ती दिखाते हुए केंद्र से कहा है कि अगले आदेश तक दिल्ली को हर रोज 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देनी होगी। जस्टिस डी वाय चंद्रचूड की बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र को चेतावनी भी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आदेश जारी किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब हम 700 मीट्रिक टन कह रहे हैं तो इतनी ही ऑक्सीजन दीजिए। हमें सख्त कदम उठाने को मजबूर न करें। अदालत की यह तल्खी इसलिए थी, क्योंकि उसने गुरुवार को ही केंद्र से साफ-साफ कह दिया था कि दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देनी ही पड़ेगी। इसके बावजूद दिल्ली सरकार की शिकायत आई कि उसे पूरी ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह भी कहा कि ऑक्सीजन के ऑडिट के लिए एक्सपर्ट पैनल बना दिया गया है, ताकि हर राज्य की जरूरत पता की जा सके। वहीं सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के वकील राहुल मेहरा ने कहा कि आज सुबह 9 बजे तक दिल्ली को 89 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिली थी और 16 मीट्रिक टन ट्रांसपोर्टेशन में थी।

कर्नाटक को भी सप्लाई बढ़ानी पड़ेगी

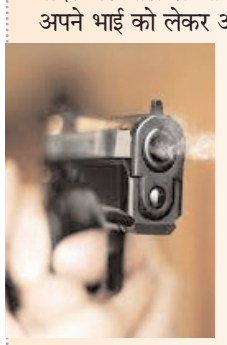

कर्नाटक को ऑक्सीजन सप्लाई बढ़ाने के मामले में भी केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने बुधवार (5 मई) को केंद्र सरकार को आदेश दिया था कि कर्नाटक को ऑक्सीजन सप्लाई 965 मीट्रिक टन से बढ़ाकर हर रोज 1200 मीट्रिक टन की जाए। केंद्र सरकार ने इस आदेश को गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से पहले दिल्ली सरकार के वकील राहुल मेहरा ने अदालत को बताया कि दिल्ली को शुक्रवार सुबह 9 बजे तक 86 टन ऑक्सि?जन मिली है। 16 टन आने वाली है। वहीं, गुरुवार देर रात तक 527 टन मिल पाई थी। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) से कहा कि एक बाद नोट कर लें कि जब हमने कहा है कि 700 टन ऑक्सि?जन दिल्ली को देना है तो इसका मतलब ये नहीं था कि सिर्फ एक दिन 700 टन देना था। हमारे आदेश का मतलब है कि रोजाना 700 टन दिल्ली को ऑक्सि?जन सप्लाई करना है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार से कहा कि गुरुवार को हमने आपका एफिडेविट देखा था। उसमें कहा गया था कि 700 टन सप्लाई किया गया है। फिर कंटेनर और टैंकर के बारे में स्पष्टीकरण था। हमें उससे मतलब नहीं है। हम कंटेनर ड्राइवर नहीं हैं। हम यहां साफ करना चाहते हैं कि दिल्ली को निश्चित और अनिवार्य तौर पर रोजाना 700 टन ऑक्सि?जन मिलनी चाहिए। इस दौरान जस्टिस एमआर शाह ने कहा कि हम साफ करना चाहते हैं कि जब तक हमारा अगला आदेश नहीं आता तब तक 700 टन ऑक्सीजन सप्लाई रोजाना जारी रखी जाए। ये आपका काम है।

मोदी ने ऑक्सीजन और मेडिसिन की उपलब्धता की समीक्षा की

मेडिकल और नर्सिंग स्टूडेंट्स से कोविड ड्यूटी कराने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बेकाबू होते कोरोना के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हाईलेवल मीटिंग की। इस दौरान मोदी ने एक्सपर्ट्स के साथ अलग-अलग मुद्दों बात की। मीटिंग के दौरान देश में ऑक्सीजन और मेडिसिन की उपलब्धता का रिव्यू भी किया गया। मीटिंग में कोरोना से निपटने के लिए कई अहम कदम उठाए गए। सरकार के सूत्रों के मुताबिक, क्क्रूने आज देश में कोरोना के प्रभावी मैनेजमेंट के लिए मानव संसाधन बढ़ाने के मामले की समीक्षा की। बैठक में मेडिकल और नर्सिंग कोर्स से पास-आउट या स्टूडेंट्स को कोविड ड्यूटी से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने जैसे कई कदम उठाए जाने का फैसला किया गया। डीटेल जानकारी सोमवार को साझा की जाएगी। मीटिंग में ह्श्वश्च्ञ एग्जाम में देरी पर चर्चा हुई और स्ब्क्क्र पास-आउट स्टूडेंट्स को भी कोविड ड्यूटी में के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया गया। इस पर विचार किया गया कि कोविड ड्यूटी में स्ब्क्क्र और नर्सिंग के फाइनल ईयर स्टूडेंट्स की सेवाएं ली जाएं। कोविड ड्यूटी करने वाले मोडिकल पर्सनल्स को आर्थिक प्रोत्साहन के साथ ही सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

अखिलेश यादव, शरद पवार और महबूबा मुफ्ती ने दी ममता को बधाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दोपहर करीब 1 बजे तक आए रुझानों से यह तय हो गया है कि ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस को बड़ी जीत मिली है तो भारतीय जनता पार्टी 100 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही है। गैर एनडीए दलों के नेता ममता की जीत पर खुशी का इजहार कर रहे हैं। अखिलेश यादव, महबूबा मुफ्ती, अरविंद केजरीवाल, शरद पवार जैसे नेताओं ने ममता को जीत की बधाई दी है। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल जाकर ममता बनर्जी का समर्थन करने वाले उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने टीएमसी की जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे ममता पर दीदी ओ दीदी कटाक्ष का जवाब बताया है। वहीं, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने ममता को बधाई देते हुए लोगों की भलाई और महामारी का मुकाबले करने को कहा।

ऑक्सीजन संकट : अब आंध्र के अस्पतालों में 16 कोविड मरीजों की मौत

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और कुरनूल में ऑक्सिजन की आपूर्ति बंद होने से कोरोना के 16 मरीजों की मौत हो गई। अनंतपुर के सरकारी अस्पताल में जहां 11 मरीजों ने दम तोड़ दिया तो वहीं कुरनूल के एक निजी अस्पताल में पांच अन्य मरीजों की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि अस्पताल में ऑक्सिजन की आपूर्ति अचानक बंद हो गई जिससे यह हादसा हुआ। अनंतपुर के जॉइंट कलेक्टर निशांत कुमार का कहना है कि अनंतपुर जीजीएच में शुक्रवार को 21 मरीजों की मौत हुई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि मरीजों की मौत के पीछे क्या कारण था। जीजीएच के डॉक्टरों ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि मरीजों की मौत ऑक्सिजन की आपूर्ति में कम प्रेशर के कारण हुई है। जीजीएच डॉक्टरों ने बताया कि ऑक्सिजन आपूर्ति करने वाले सिस्टम में जो तकनीकि समस्या आई है

उसे चेन्नै से आई टीम ठीक कर रही है। उधर, अनंतपुर के जिला कलेक्टर जी चंद्रुडु ने कहा कि जिले में ऑक्सिजन की कोई कमी नहीं है। लेकिन निम्न दबाव की शिकायतों के बाद, पूरी पाइपलाइन की पूरी जांच की गई है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अनिल कुमार सिंघल ने भी सफाई दी है कि मरीजों की मौतें ऑक्सिजन की कमी से नहीं हुई हैं। वाईएसआरसीपी विधायक अनंत वेंकटरमी रेड्डी ने अनंतपुर जीजीएच का दौरा किया और डॉक्टरों और रोगियों के साथ बातचीत की। उन्होंने मीडिया को बताया कि अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि ऑक्सिजन की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है, मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि मौतें मरीजों को ऑक्सिजन न मिलने के कारण हुई हैं। अनंतपुर की घटना शांत नहीं हुई कि शनिवार को कुरनूल के एक निजी अस्पताल में पांच कोविड-19 मरीजों की मौत हो गई। अस्पताल पर नियमों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगा है।

हमीदिया में कोरोना मरीज की खुदकुशी का मामला: परिजनों का आरोप-हत्या हुई, बोले-

डॉक्टर ने पहले कहा था कि बाथरूम से कूदे, बाद में कहा- वार्ड की खिड़की तोड़कर छलांग लगाई

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल के डी-ब्लॉक की 6वीं मंजिल से सोमवार शाम कोरोना संक्रमित रहीश शेख ने खुदकुशी कर ली थी। मामले के एक दिन बाद मंगलवार को उसके परिवार वालों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि रहीश शेख आत्महत्या नहीं कर सकते। उनकी हत्या हुई है। सेंट्रल लाइब्रेरी गली नंबर-2 भोपाल में रहने वाले रहीश शेख के बहनोई आसिफ अली ने बताया कि रहीश शेख आत्महत्या नहीं कर सकते। वह दिलेर

व्यक्ति थे। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम 4 बजे डॉक्टर से बात हुई। उन्होंने बताया कि उनका ऑक्सीजन लेवल 98 आ गया है। वह अब नॉर्मल है। सिर्फ उनका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ था। इसके कुछ समय बाद ही पौने पांच बजे हमें अस्पताल से फोन आया कि आप जल्दी अस्पताल आ जाइए। जब उनसे कारण पूछा तो बोले कि आप आ जाइए। अस्पताल पहुंचने के बाद हम आधे घंटे तक डी-ब्लॉक के सामने खड़े रहे, लेकिन घटना के संबंध में किसी ने जानकारी नहीं दी। बाद में पीछे ले जाकर बताया गया। वहां मौजूद डॉक्टर ने बताया कि रहीश बाथरूम गए थे। वहां से कूद गए, जबकि बाद में बताया गया कि वह खिड़की तोड़ कर नीचे गिरे। अस्पताल के डॉक्टरों के बयानों में ही विरोधाभास है। इससे साफ है कि अस्पताल प्रबंधन घटना की वास्तविक सच्चाई को छिपा रहा है। हम इस मामले की जांच की निष्पक्ष एजेंसी से कराने की मांग करेंगे। इसे लेकर वकीलों से सलाह ले रहे हैं।

क्या है मामला

भोपाल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया की 6वीं मजिल से सोमवार को कोविड संक्रमित ने छलांग लगा दी। नीचे गिरते ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मृतक ने पानी की बॉटल से आईसीयू वार्ड की खिड़की को का कांच तोड़ दिया और कूद गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उसे रोक पाते, इससे पहले वह नीचे कूद या। मृतक 50 वर्षीय रहीश शेख को रविवार शाम 5.52 पर भर्ती किया गया था।

रेमडेसिविर की हेराफेरी पर प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

भोपाल कलेक्टर ने जीवन रक्षक इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वाले 9 आरोपियों पर रासुका लगाया

भोपाल। रेमडेसिविर की कालाबाजारी और हेराफेरी करने वालों पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया ने रेमडेसिविर की कालाबाजारी करने वाले 9 अरोपियों पर रासुका लगाया है। कोरोना के गंभीर मरीजों को बचाने के लिए जीवन रक्षक इंजेक्शन रेमडेसिविर दिया जाता है। लेकिन गंभीर मरीजों को इंजेक्शन देने की जगह रेमडेसिविर को अवैध रुप से बाजार में मनमाने दामों पर बेचने की घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गई है। भोपाल कलेक्टर द्वारा आरोपियों पर रासुका लगाकर जेल भेजने के आदेश जारी किए गए है। लवानिया ने पुलिस से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आपदा काल में कालाबाजारी रोकने के लिए रासुका की कार्रवाई कर इन आरोपियों को केंद्रीय जेल भोपाल में रखने का आदेश जारी किया।

इन 9 लोगों पर रासुका की कार्रवाई की गई

1. राजेन्द्र मीणा उर्फ राजा पुत्र विशाल सिंह , आयु -23 बिहारी कालोनी , भानपुर थाना - कोहेफिजा
2. बलराम प्रजापति पुत्र रमेश प्रजापति , आयु -19 वर्ष , बडोदिया तालाब राजगढ ,
3. सर्जन सिंह पुत्र अजमेर सिंह , आयु 32 वर्ष , फॉरेस्ट नाके के पीछे , थाना - गांधीनगर
4. गौरव लोधी पुत्र दीपक लोधी , आयु -24 वर्ष , सूखी सेवनिया , गांधी नगर
5. यासीर खान पुत्र कदीर खान , आयु -23 वर्ष , चौबदार पुरा थाना- मिसरोद
6. झलकन सिंह पुत्र हमीर सिंह मीणा , आयु -24 वर्ष , गिरधर परिसर , थाना- कोलार रोड
7. नौमान सईद पुत्र सईद खां , आयु -24 वर्ष , निवासी कबीटपुरा , थाना - काईम ब्रांच
8. समी खान पुत्र रहमान उल्ला खान , आयु -30 वर्ष , निवासी , निशातपुरा , थाना काईम ब्रांच
9. अख्लाख खान पुत्र इबाड खान , आयु -24 वर्ष , कृष्णा कालोनी , हनुमागंज थाना- काईम ब्रांच क्षेत्र के इन अपराधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3 (2) में निरूद्ध किया है।

भोपाल में 17 मई तक बढ़ा कोरोना कर्फ्यू, आदेश जारी

किसानों और फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों वाले किसानों को होगी छूट

भोपाल। कोरोना संक्रमण की चेन तोडने के लिए राजधानी भोपाल में फिलहाल 10 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया है। अब इसे एक हफ्ते और यानी 17 मई तक बढा दिया गया है। इसके आदेश कलेक्टर अविनाश लवानिया ने रविवार को जारी कर दिए हैं। इसके बाद 31 मई तक लॉकडाउन बढाने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन यह निर्णय 17 मई तक बनने वाली परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा। रविवार को जारी किए गए आदेश में स्पष्ट है कि 17 मई तक शहर में किसी भी तरह के शादी-विवाह के कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे। वहीं सभी धर्मस?थल पूरी तरह बंद रहेंगे। जरुरी सेवाओं को छोडकर सभी दफ्तर पूरी तरह बंद रहेंगे।

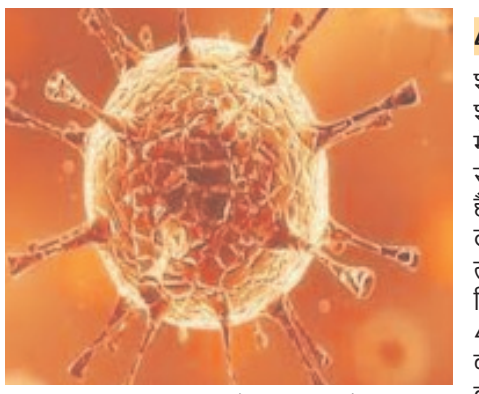

इन्हें रहेगी छूट

दूध, सब्जी व फलों की दुकानें खुल सकेंगी। पेट्रोल पंप और एटीएम, गैस एजेंसी, वैक्सीनेशन केंद्र खुले रहेंगे। फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर और खेती का काम करने वाले किसानों को आने-जाने की छूट रहेगी। इलेक?ट्रीशियन, प?लंबर, कारपेंटर आदि होम सर्विस दे सकते हैं। कंस?ट्रक?शन गतिविधियां भी संचालित हो सकेंगी, अगर मजूदर संबंधित साइड पर ही रहते है तो। किराना दुकान से सिर्फ होम डिलीवरी हो सकेगी। परीक्षा केंद्र में आने-जाने वाले छात्रों के लिए छूट रहेगी।

4000 से अधिक शादियां टलीं

शहर में 250 से अधिक मैरिज गार्डन, शादी हॉल है। इन सभी में 15 मुहूर्त मई में, 16 जून में और 9 जुलाई में है। इन सभी को मिलाकर 40 मुहूर्त ही शादी के हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के चलते 17 मई तक किसी भी तरह के विवाह कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे। इसके चलते शहर में 4000 से अधिक शादियां टल गई है। वहीं डीजे संचालको ने बताया कि एक व?यक्ति के पास पिछले साल लॉकडाउन के बावजूद 40 से अधिक इवेंट थे, लेकिन इस साल एक भी इवेंट नहीं मिल पा रहा है। वहीं मैरिज गार्डनों में होने वाली शादियों को अब नवंबर-दिसंबर तक लोग टाल रहे है।

मुख्यमंत्री ने रोपा मौलसिरी का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास में मौलसिरी का पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं। मौलसिरी एक सुपरिचित वृक्ष है। इसे संस्कृत में केसव, हिन्दी में मौलसिरी या बकुल कहा जाता है। मौलसिरी एक औषधीय वृक्ष है। इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है। चित्त को आनंद देने वाले मनोरम सुगंधित पुष्पों से युक्त मौलसिरी के सदाहरित वृक्ष सड़कों के किनारे और वाटिकाओं में मिलते हैं।

एमपी में कोरोना के 11,051 नए केस, 86 मौतें

2 दिन में बढ़ गए 13, 490 एक्टिव केस; ग्वालियर में जबलपुर से 2 गुना ज्यादा मरीज

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 1 लाख 8 हजार से ज्यादा हो गई है। दो दिन में ही प्रदेश में 13,490 मरीज बढ़ गए हैं। जबलपुर की तुलना में ग्वालियर में कोरोना मरीज 2 गुना है, जबकि दोनों जिलों में कुल संक्रमितों की संख्या में 4 हजार से भी कम का अंतर है। जबलपुर में एक्टिव केस 5,221 हैं, जबकि ग्वालियर में 10,522 मरीज हो गए हैं। राजधानी में कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कलेक्टर अविनाश लवानिया में लॉकडाउन बढ़ाकर 17 मई सुबह 6 बजे तक दिया गया है। दो दिन पहले भी इसकी चर्चा हुई थी। अब कलेक्टर ने इसका आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। इसमें सभी पाबंदियां और छूट पहले जैसे यथावत रहेंगी। प्रदेश के लिए राहत की बात यह है कि पॉजिटिविटी रेट पिछले दो दिन से 17व से ऊपर नहीं जा पाया है। 8 मई को 65 हजार 282 सैंपल टेस्ट में से 11 हजार 51 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इस दौरान 86 संक्रमितों की मौत भी हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना से अब तक 6420 मौतें हो चुकी है। प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या 6 लाख 71 हजार 763 हो गई है।

राजधानी के कुछ हिस्सों में बरसे बदरा: कोलार समेत कुछ हिस्सों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ हुई बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव जारी है। इसी तरह भोपाल के कुछ हिस्सों में रविवार दोपहर बारिश हुई। इसमें कोलार और उसके आसपास के इलाकों में करीब आधा घंटे तक हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश में बने सिस्टम की वजह से अगले 48 घंटे में कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, खरगोन में प्रदेश का सबसे ज्यादा 43 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रिकॉर्ड किया गया है। निमाड़ अंचल में भी बादल छाए हुए हैं। जानकारी के मुताबिक राजधानी में सुबह मौसम साफ था, लेकिन दोपहर होते-होते आसमान में बादल छा गए। करीब दो बजे तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ इलाकों में धूप-छांव का दौर जारी था, तो कुछ इलाकों में बारिश भी हुई। अयोध्यानगर,

अवधपुरी जैसे इलाकों में बादल छाए हुए थे। वहीं, कोलार समेत आसपास के हिस्सों में बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक पीके शाह ने बताया कि वेस्ट एमपी के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इस वजह से एक टर्फ लाइन भी कर्नाटक तक बनी है। जिससे नमी के कारण बादल बन रहे है। इसके चलते प्रदेश में अगले दो से तीन दिन तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना बनी हुई है। सागर, जबलपुर, रीवा, शहडोल संभाग के जिलो में हल्की बारिश की संभावना अधिक है। इसके अलावा ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में भी हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इसके अलावा गुना, इंदौर और होशंगाबाद में धूप खिली है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्टः दिल्ली हाईकोर्ट कल करेगा मामले पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- उम्मीद है बेंच का गठन जल्दी होगा

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर रोक लगाने की मांग तेज होती जा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को इस पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका लगाई गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई के लिए मंगलवार का समय दिया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में ऐसी ही एक अर्जी लगाई गई थी। स्ट ने मामले में फिलहाल दखल देने से मना कर दिया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा था कि वह हाईकोर्ट से जल्द सुनवाई आग्रह करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम उम्मीद करते हैं कि हाईकोर्ट इस पर सुनवाई के लिए जल्द बेंच का गठन करेगा।

विपक्ष भी कर रहा है विरोध

विपक्षी दल नए संसद भवन, सरकारी ऑफिस और प्रधानमंत्री आवास बनाए जाने का विरोध करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस प्रोजेक्ट का यह कहते हुए विरोध किया कि महामारी के दौरान इसको रोक दिया जाना चाहिए। कुछ लोगों का कहना है कि इस दौरान हॉस्पिटल्स की परेशानी है। ऑक्सीजन, वैक्सीन और दवाओं की किल्लत है।

क्या है सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट?

राष्ट्रपति भवन, मौजूदा संसद भवन, इंडिया गेट और राष्ट्रीय अभिलेखागार की इमारत को वैसा ही रखा जाएगा। सेंट्रल विस्टा के मास्टर प्लान के मुताबिक पुराने गोलाकार संसद भवन के सामने गांधीजी की प्रतिमा के पीछे नया तिकोना संसद भवन बनेगा। यह 13 एकड़ जमीन पर बनेगा। इस जमीन पर अभी पार्क, अस्थायी निर्माण और पार्किंग है। नए संसद भवन में दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के लिए एक-एक इमारत होगी, लेकिन सेंट्रल हॉल नहीं बनेगा।

प्लान के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले दिल्ली में सरकारी इमारतें और कुछ आवास बनाए जाने हैं। इसके लिए राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक का चार किलोमीटर का क्षेत्र चुना गया था। पिछले दिनों राहुल गांधी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को गैरजरूरी बताया था।

15 एकड़ में बनेगा नया क्करूआवास

मंत्रालयों का साझा केंद्रीय सचिवालय बनाने के लिए शास्त्री भवन, उद्योग भवन, निर्माण भवन, कृषि भवन सहित कई अन्य इमारतें भी गिराई जाएंगी। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास प्रोजेक्ट में सीपीडब्ल्यूडी (केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग) के हालिया प्रस्ताव के मुताबिक प्रधानमंत्री के नए आवासीय कॉम्प्लेक्स में चार मंजिला 10 इमारतें होंगी। प्रधानमंत्री के नए आवास को 15 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा।

वेबिनार के जरिये आयुक्त ने पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों से किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना से कर्मियों को सुरक्षित रखने और संकट के समय समाज की सेवा करने के लिए फिट रहने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए दिल्ली पुलिस एस एन श्रीवास्तव ने मंगलवार को कोरोना के प्रति जागरूकता, रोकथाम और इससे निपटने की रणनीति को लेकर पांचवा वेलनेस वेबिनार आयोजित किया।

मुख्यालय में वेबिनार के जरिए एस.एन. श्रीवास्तव ने पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत की। वेबिनार में डॉ विवेक गुप्ता, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल और डॉ पंकज कुमार, वरिष्ठ सलाहकार (मनोचिकित्सक और नशा-मुक्ति विशेषज्ञ) मैक्स अस्पताल ने भाग लिया। सबसे पहले एसएन श्रीवास्तव ने उन कर्मियों से बातचीत की जो संक्रमित हैं और कोरोना से धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कर्मचारियों ने अपने अनुभव को साझा किया कि कैसे वे अपने उपचार का प्रबंधन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे घर से बाहर हैं और नियमित रूप से चिकित्सा सलाह और निर्धारित दवा ले रहे हैं। उनमें से एक ने कोविड केयर सेंटर शाहदरा की सुविधाओं का लाभ उठाया और बाद में ठीक होने के बाद घर में

शिफ्ट हो गया। उन्हें नियमित रूप से दिल्ली पुलिस कल्याण हेल्पलाइन और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए अधिकारियों से उनकी भलाई और किसी भी चिकित्सा सहायता की आवश्यकता के बारे में कॉल आते थे। सिपाही भरत कुमार ने कहा कि सकारात्मक रुख ने तेजी से रिकवरी में बहुत मदद मिली है। सीपी ने कामना की कि प्रत्येक पुलिस कर्मी और उनके परिवार के सदस्य सुरक्षित, स्वस्थ और खुश रहें। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में संक्रमित कर्मचारियों की उपचार के बारे में नियमित रूप से पूछताछ करने के उद्देश्य से सभी जिलों और इकाइयों में एक कोविड सेल की स्थापना की गई है। कर्मचारियों को सूचित करने के लिए एसएमएस के माध्यम से शिक्षाप्रद सामग्री भी साझा की जाती है। श्रीवास्तव ने कहा कि संक्रमण की संभावना को कम करने के लिए दोहरा मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, हाथों को धोना और सैनिटाइजर का उपयोग करना चाहिए। फील्ड ड्यूटी के लिए जाने पर फेस शील्ड का इस्तेमाल करना चाहिए।

सीपी ने सभी कर्मियों को टीका लगाने के लिए कहा, जब तक कि डॉक्टर ने सलाह न दी हो, क्योंकि यह कोरोना के खिलाफ लड़ने में प्रभावकारी माना गया है। उन्होंने पुलिस कर्मियों से इस मौजूदा स्थिति में सामाजिकता से दूर रहने को कहा। अक्षर और आत्मा में कोविद के उचित व्यवहार के बाद एक अनुशासित जीवन संभवतः हमें इस घातक संक्रमण से सुरक्षित रख सकता है। सीपी दिल्ली ने दोहराया कि दिल्ली पुलिस कर्मियों के लिए स्थापित कोविद देखभाल केंद्रों में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार करने और दवाओं की व्यवस्था करने के लिए यह लगातार स्थायी है। पुलिस कर्मियों के परिवारों के लिए पुलिस आवासीय कॉलोनियों में वेलनेस सेंटरों में टीकाकरण सुविधाओं की व्यवस्था करने का भी प्रयास किया जाता है।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी करते हुए एक शख्स को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिला के लाहौरी गेट थाना पुलिस ने पोर्टेबल ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने के आरोप में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बरामद किया गया है। पुलिस ने नकली ग्राहक बनकर इससे सौदा करने के बाद धर दबोचा। डीसीपी एंटो अल्फ़ोंस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम गुरविंदर सिंह है। वह न्यू सीमापुरी का रहने वाला है और पेशे से बिजली मैकेनिक है। ग़ाज़ियाबाद से इसने 450 रुपये प्रति ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की दर से 6 ऑक्सीज़न कंसंट्रेटर खरीदा था। जिसमें 4 को वह 1800 रुपये की दर से पहले ही बेच दिया था। राजधानी में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच लोगों की मजबूरी का फायदा उठा बड़ी संख्या में लोग आपदा को अवसर ले तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। जीवन रक्षक दवाई, ऑक्सीज़न सिलेंडर, कंसंट्रेटर आदि चिकित्सा उपकरणों का लोग धड़ल्ले से लोग कालाबाज़ारी कर मोटा मुनाफा कमाने में जुट गए हैं। ऐसे लोगों पर पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस मुख्यालय के कोविड सेल को शिकायत मिली थी कि कुछ लोग चंदनी चौक में चिकित्सा उपकरण की कालाबाज़ारी कर रहे हैं। मुख्यालय से उक्त शिकायत को उत्तरी जिला पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया। शिकायत पर सब इंस्पेक्टर संदीप माथुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कालर शैलेश गुप्ता से मिलकर पूछताछ की उन्होंने बताया कि वह कोरोना संक्रमित है। आरोपित के बारे में कुछ जानकारी देने के बाद उसने बताया कि वह अत्यधिक बात करने की स्थिति में नहीं है।

चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की कालाबाजारी में अब तक 91 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संक्रमण की इस लहर में चिकित्सा उपकरण व जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी खूब हो रही है। आए दिन पुलिस ऐसे गिरोह को पकड़ कर भारी मात्रा में दवाएं व अन्य जरूरी चिकित्सा उपकरणों को बरामद कर रही है। इसके बावजूद मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने महज 15 दिनों में 91 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है जो कोरोना संक्रमण के आड़ में लोगों को दोगुने व तीगुने दामों में दवा और चिकित्सा उपकरण बेच रहे थे। इनमें पुलिस ने ऐसे गिरोह का भी भंडाफोड़ किया जो नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बना रहे थे। यह लोग कितने लोगों को लूट चुके हैं व इनके द्वारा बनाई गई नकली दवा देश के किन-किन हिस्सों में पहुंच चुकी है इसकी जांच पुलिस अभी कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामलों में अलग-अलग थाना क्षेत्र में 73 एफआइआर दर्ज की गई है। इनमें धोखाधड़ी के मामले भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपितों से 3135 चिकित्सा उपकरण और दवाएं बरामद की गई हैं। इनमें सबसे अधिक चिकित्सा उपकरण की कालाबाजारी के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा रेमडेसिविर इंजेक्शन की भी कालाबाजारी अधिक हुई है। अब तक 425 रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशी बरामद की जा चुकी है। अधिकारी ने बताया कि बरामद सामानों को अस्पतालों में संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए सौंपा जा रहा है।

दिलशाद गार्डन वार्ड को 12 खंड बांटकर किया जा रहा सैनिटाइजेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। आए दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने एक बार फिर कमान संभाल ली है। दिलशाद गार्डन वार्ड को पार्षद वीर सिंह पंवार ने 12 खंड में बांट दिया है। यहां मंडल अध्यक्ष विकास हांडा के साथ मिलकर निगम के कर्मचारी रोजाना दो खंड को सैनिटाइज कर रहे हैं। पार्षद बीएस पंवार ने कहा कि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में वार्ड को कोरोना मुक्त रखने के लिए करीब एक सप्ताह से विशेष सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को स्वामी दयानंद अस्पताल के अलावा दिलशाद गार्डन के ए, सी व डी ब्लाक को सैनिटाइज किया गया। मंडल अध्यक्ष विकास हांडा ने बताया कि अभियान के दौरान लोगों से अपील की जा रही है कि सभी लोग कोरोना से बचाव के लिए घरों में रहें। नियमों का पालन करें। वार्ड में जिन घरों में कोरोना मरीज क्वारंटाइन हैं उन्हें भी विशेष रूप से सैनिटाइज करवाया जा रह है।

आशीर्वाद नर्सिंग होम को प्रशासन ने दिया नोटिस, कोविड मरीज से ज्यादा पैसे वसूलने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी जिला प्रशासन के द्वारका सब-डिवीजन ने कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार के नाम पर मनमानी रकम वसूलने की शिकायत पर एक निजी अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की है। मामले में प्रशासन की तरफ से फिलहाल अस्पताल को एक नोटिस जारी किया गया है कि वह जल्द से जल्द उन सभी मरीजों के रुपये लौटाए जिनसे तय दर से अधिक बिल वसूला गया है। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ महामारी अधिनियम के तहत शिकायत दी जाएगी और साथ ही अस्पताल के खिलाफ जुर्माना भी किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर सोमवार दोपहर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने उपायुक्त डा. नवीन अग्रवाल के नेतृत्व व एसडीम द्वारका पंकज राय गुप्ता के दिशानिर्देश में विकास नगर स्थित आशीर्वाद नर्सिंग होम पर छापेमारी की।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक हिंसा पर विहिप ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल में गत तीन दिनों से चल रही हिंसा, आगजनी, लूटपाट, धमकियों तथा राजनैतिक विद्वेषपूर्ण हमलों पर गहरी चिंता जताई है। उसने कहा है कि इस हिंसा से न सिर्फ देश को शर्मसार किया है बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भी तार-तार किया है। राज्य में मतगणना के दौरान प्रारंभ हुए अनेक प्रकार के अनवरत हमलों पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए विहिप के केन्द्रीय महा-मंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि बंगाल में हिन्दू समाज भयाक्रांत है और जिनके पास राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है वे अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं। राज्य के लगभग हर हिस्से से लगातार यही खबरें आ रही हैं कि हिन्दू घरों, मंदिरों, बस्तियों, बहिन-बेटियों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को टीएमसी के कार्यकर्ता व जिहादी तत्व सरेआम हिंसा, आगजनी व लूटपाट का शिकार बना रहे हैं। अनेक हिंदुओं को राजनैतिक प्रतिद्वंदियों द्वारा लगातार धमकियां भी दी जा रही हैं तथा इन सब मामलों में स्थानीय पुलिस-प्रशासन मूक दर्शक बन तमाशा देख रहा है। ये हिंसा अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों की जान ले चुकी तथा अनेक घर, दुकानें, मंदिर, बस्तियां व व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्वाह हो चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

कंट्रोल रूम का फोन रिसीव नहीं करने वालो को कोविड केयर सेन्टर में भर्ती करें

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए है कि उनके कार्य क्षेत्रों में होम आइसोलेशन अथवा होम कोरोन्टाइन में रह रहे मरीजो से हर रोज जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम द्वारा संपर्क कर उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की जाती है। उक्त कार्य में यदि किसी के द्वारा कोताही बरती जाती है या मोबाइल रिसीव नही किया जाता है तो उन्हें कोविड केयर सेन्टर में भर्ती करने की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए खासकर कोरोना से संक्रमित व्यक्ति जो होम आइसोलेशन अथवा होम कोरोन्टाइन में है के स्वास्थ्य पर नजर रखने हेतु जानकारी प्राप्ति के उद्धेश्य से जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम द्वारा सतत संपर्क किया जा रहा है।

खेल वृति आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई

विदिशा (निप्र)। म.प्र. शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खिलाडियों को दी जाने वाली खेल वृति के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित है। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक प्राप्त किया हो, वरीयता राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित करने वाले खिलाडियों को दी जाएगी। खेलवृति का उद्देश्य राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत कर जिले के खिलाडियों को प्रोत्साहित करना है। खेल वृति वाले वर्ष में 01 अप्रैल 2020 को खिलाडी की आयु 19 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, खिलाडियों को म.प्र. का मूल निवासी होना अनिवार्य है। आवेदक की विगत वर्ष के 01 अप्रैल 2020 से वर्तमान वर्ष के 31 मार्च 2021 तक अर्थात 01 वित्तीय वर्ष के खेल उपलब्धियों की गणना की जाएगी। खेल वृति हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई 2021 नियत है।

मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है - मंत्री कमल पटेल

होशंगाबाद (निप्र)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है। यह समय सभी के लिये अपने सामाजिक दायित्वों को पूर्ण कर सामाजिक ऋण को चुकाने का है। इस वक्त हम सभी को सभी की चिंता करते हुए अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करना है, जिससे हम सही मायनों में देश सेवा कर सकें। श्री पटेल ने बताया कि उनकी विधायक निधि की 25 लाख की राशि से 10 हजार मेडिकल किट क्रय कर जरूरतमंदों को पहुँचाई गई हैं। श्री पटेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा हरदा के निजी अस्पताल सोमानी हॉस्पिटल का शुभारंभ करते हुए कहा कि उनके लिये यह बेहद प्रसन्नता की बात है कि श्री सोमानी ने उनके आग्रह पर नवीन अस्पताल को कोविड मरीजों की सेवा में समर्पित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के डॉक्टर बनने में भी समाज का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान होता है।

होशंगाबाद जिले में तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं मरीज

होशंगाबाद (निप्र)। होशंगाबाद जिले में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने तथा कोविड मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर स्तर पर विशेष प्रयास किए जा रहें है। जिला मुख्यालय सहित विकासखंड स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है, जिसके अच्छे परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। जिले की पॉजिटिविटी रेट लगातार घट रहीं हैं वहीं कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिले में पिछले 5 दिनों में 909 व्यक्तियों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। 30 अप्रैल को 145, 1 मई को 243, 2 मई को 203, 3 मई को 210 एवं 4 मई को 108 मरीजो को डिस?चार्ज हुए है। जिले में अभी तक 6895 व्यक्तियों को कोरोना से पूरी तरह स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री ने 16844 असंगठित श्रमिकों खातों में अंतरित की 379 करोड़ रू सहायता राशि

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जन-कल्याण संबल योजना के अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 844 असंगठित श्रमिक परिवारों के बैंक खाते में 379 करोड़ रूपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। इसमें रायसेन जिले के 305 असंगठित श्रमिक परिवारों के बैंक खाते में भी 7 करोड़ 20 लाख रूपए की राशि अंतरित की गई है। रायसेन कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, जिला पंचायत सीईओ श्री पीसी शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का ऑनलाईन प्रसारण देखा व सुना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिक परिवारों के लिए संबल प्रदान करने का कार्य

कर रही है। योजना के अन्तर्गत श्रमिकों की दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रूपये की राशि उनके आश्रितों को प्रदान की गई है। इसी तरह सामान्य मृत्यु तथा स्थायी अपंगता पर श्रमिक परिवारों को दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि प्रदान की गई है। योजना में आंशिक स्थायी अपंगता पर एक लाख रूपये और अन्त्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये राशि प्रदान की गई हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी 72 हजार से अधिक हितग्राहियों के बैंक खाते में 582 करोड़ रूपये हितलाभ वितरित किये गये थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संकट की इस खड़ी में मैं और पूरी प्रदेश सरकार आपके साथ खड़ी है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए हमें सभी का सहयोग चाहिए। कोरोना महामारी के विरूद्ध यह लड़ाई हम घर से बाहर निकलकर नहीं जीत सकते। कोरोना को हराने के लिए हमें यह लड़ाई घरों में रहकर ही लड़नी होगी। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि कोरोना महामारी को रोकने के लिए कोरोना कर्फ्यू का पूरी तरह पालन करें। अनेक गाँवों ने स्व-प्रेरणा से कोरोना कर्फ्यू लगाया है। शहरों में भी अनेक मोहल्लों, कालोनियों में लोगों ने स्वयं कोरोना कर्फ्यू लागू किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि कोरोना की चेन ब्रेक करने का एक मात्र तरीका यही है कि जहाँ संक्रमण है उसे वहीं रोकना होगा। गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले, गली-गली में जहाँ भी संक्रमण हो माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनायें तथा कोरोना को वहीं रोक दें।

हर दिन हर घर सर्वे से ही परिस्थितियों को नियंत्रण में लाया जा सकता है- संभागायुक्त

रायसेन (निप्र)। भोपाल संभागायुक्त श्री कवीन्द्र कियावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने एवं संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की। संभागायुक्त श्री कियावत समीक्षा के दौरान कहा कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जरूरी है कि हर दिन हर घर सर्वे करते हुए सर्दी, खॉसी, बुखार के लक्षण वाले व्यक्ति का त्वरित उपचार प्रारंभ किया जाए। साथ ही उसे शीघ्र आइसोलेट कर दिया जाए जिससे कि कोई और उससे संक्रमित ना हो।

बैठक में कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका शुक्ला द्वारा जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए की जा रही कार्यवाहियों तथा मरीजों के उपचार के संबंध में अवगत कराया गया। संभागायुक्त श्री कियावत ने वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल जिले के सभी अनुभागों के एसडीएम तथा जनपद सीईओ से अनुभागवार कोरोना संक्रमण की स्थिति एवं उसे रोकने के लिए की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने

सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए मैदानी अमले का दल बनाकर प्रतिदिन सघन सर्वे कराया जाए जिससे कि कोरोना संदिग्ध तथा संक्रमित व्यक्ति की शीघ्र पहचान करते हुए उपचार प्रारंभ किया जा सके। लोगों को समझाएं कि वे लक्षण छुपाएं नहीं, तुरंत बताएं। संभागायुक्त श्री कियावत ने कहा कि कोरोना महामारी को रोकने के लिए सभी अधिकारी, कर्मचारी पूरी निष्ठा, परिश्रम और सेवाभाव से काम करें।

सर्वे कार्य की प्रतिदिन मॉनीटरिंग करने के निर्देश: उन्होंने कहा कि गॉव में अधिक जनसंख्या होने पर एक से अधिक दल बनाते हुए सर्वे कार्य कराया जाए जिससे कि सभी घरों का सतत् सर्वे हो सके। सर्वे दल प्रतिदिन घर-घर जाते हुए परिवार के मुखिया से उसके और परिवार के अन्य सदस्यों के स्वास्थ्य की जानकारी लें। किसी भी व्यक्ति में सर्दी, खॉसी, बुखार या अन्य लक्षण दिखने पर दवाईयां भी वितरित करें। प्रारंभिक अवस्था में ही मरीज की पहचान होने से उसका समय पर उपचार प्रारंभ हो जाएगा। संभागायुक्त ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ को सर्वे कार्य की प्रतिदिन पूरी गंभीरता से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही संदिग्ध और संक्रमित मरीजों से भी चर्चा कर स्वास्थ्य की जानकारी लिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

होशंगाबाद पवारखेड़ा में 100 बेड्स का डेडीकेटेड कोविड हैल्थ केयर सेंटर सुचारू

होशंगाबाद (निप्र)। होशंगाबाद जिले में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने तथा कोविड मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की टीम कलेक्टर श्री धनंजय सिंह के निर्देशन में हर मोर्चे पर युद्ध स्तर पर जुटी हुई है। जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंडों एवं ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री सिंह के प्रयासों से कम समय में कन्या शिक्षा परिसर पावरखेड़ा में सर्व सुविधायुक्त डेडीकेटेड कोविड हेल्थ केयर सेंटर बनाया गया है, जिससे अब होशंगाबाद एवं इटारसी के कोविड मरीजों को त्वरित एवं बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध हो पाएगी।

आमजन के लिये उपयोगी सिद्ध हो रहा है कोविड सहायता केन्द्र

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के शासकीय सुभाष स्कूल में बनाया गया कोविड सहायता केन्द्र लोगों के लिये बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। सर्दी, खांसी, जुकाम के मरीजों के लिये अस्पताल से ज्यादा सुविधाजनक लग रहा है यह सहायता केन्द्र। कोविड सहायता केन्द्र में आने वाले सीहोर निवासी कविता राठौर, लखन लाल, भंवरलाल तथा मोहित ने बताया कि अस्पताल में अपनी बारी आने तक काफी समय इंतजार में निकल जाता था। यहां पर भीड़ नहीं होने के कारण तुरंत देख कर दवाएं मिल रहीं है। इस सहायता केन्द्र के शुरू होने से सर्दी-जुकाम के मरीजों का अस्पताल आना कम हो गया है। इससे जिला अस्पताल में होने वाली भीड़ कम होने से यहां के चिकित्सकों को अन्य बीमारी के मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण के लियेपर्याप्त समय मिल रहा है। साथ ही सर्दी, खांसी तथा बुखार के मरीजों के अलावा अन्य बीमारियों के अधिक मरीजों स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कर रहे हैं।

मनरेगा से गांव में ही मिल रहा काम, मजदूरी के लिए बाहर जाने की मजबूरी नहीं

होशंगाबाद (निप्र)। कोराना संक्रमण के इस दौर में सुरक्षा की दृष्टि से घर पर रहना जरूरी है, वहीं घर चलाने के लिए रोजगार भी उतना ही जरूरी है। ऐसी स्थिति में जनपद पंचायत केसला के ग्रामीण मजदूरों के लिए मनरेगा वरदान साबित हुआ है। मजदूरों को काम के लिए गांव से बाहर नहीं जाना पड़ रहा है। जनपद पंचायत केसला क्षेत्र में मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में मेड़ बंधान, खेत तालाब, कुआं, रिचार्ज पिट आदि काम कराये जा रहे हैं। इन कामों में स्थानीय मजदूरों को संलग्न कर ज्यादा से ज्यादा से रोजगार सृजन करना उद्देश्य है, ताकि कोरोना जैसी संकट की घड़ी में मनरेगा के कामों से ग्रामीण मजदूरों को उनके घर के पास ही रोजगार उपलब्ध हो सके। जनपद पंचायत सीईओ सुश्री वंदना कैथल का कहना है कि मनरेगा के कामों से मजदूरों के सामने रोजगार का सकट नहीं है और न ही कहीं बाहर जाकर रोजगार तलाशने की मजबूरी उनका कहना है कि कार्य स्थल पर मजदूरों द्वारा मास्क के उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग सहित कोरोना से संबंधित समस्त दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है ।

मोती महाराज परिसर में कोरोना सेम्पलिंग हेतु टीम बैठेगी

राजगढ़ (निप्र)। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा खिलचीपुर में मोती महाराज के यहां उपचार के उद्देश्य से अधिक संख्या में मरीजो और उनके परिजनों के पहुंचने को गंभीरता से लेने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खिलचीपुर को दिए गए है। उन्होने निर्देशित किया है कि मोती महाराज के यहां सर्दी, खांसी और बुखार से ग्रसित पहुंचने वाले रोगी कोरोना के रोगी होकर अत्यधिक जोखिम भरे वाले व्यक्ति हो सकते है, को दृष्टिगत रखते हुए कोरोना की जांच हेतु सेम्पलिंग के लिए वहां टीम लगाए। उन्होने जिले के समस्त बी.एम.ओ. को निर्देशित

किया कि कोरोना के सेम्पल सही तरीके से भेजे जाए और उनकी भलिभांति ऑनलाईन लिस्टिंग वे अपनी निगरानी में कराएं। सेम्पल जांच दो बार भेजे जाएं। ताकि वे मिसमेच नही हो। यह निर्देश उन्होने प्रतिदिन आयोजित कोविड़-19 के मद्देनजर समीक्षा बैठक में दिए। समीक्षा के दौरान उन्होने ग्राम कडियासांसी और आन्दलहेड़ा ग्राम में सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजो की संख्या के मद्देनजर कंटेनमेन्ट जोन बनाने और नागरिकों का आना-जाना बेरिकेटिंग लगाकर रोकने ताकि संक्रमण का फैलाव नही हो, के लिए सर्व संबंधितों को निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर शादी-विवाह और मृत्युभोज की पूर्व जानकारियों की सूची मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों को बनाने तथा अपने क्षेत्रान्तर्गत तहसीलदारों के देने के निर्देश भी दिए।

उन्होने कहा कि आदेशों का उल्लंघन कर विवाह के आयोजन में निर्धारित संख्या से अधिक अतिथियों को शामिल करने और प्रतिबंधित मृत्युभोज का आयोजन करने वालों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज हो। इस अवसर पर उन्होने कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने घर-घर सर्वे कार्य एवं दवा वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

संपादकीय

मध्यप्रदेश में अनुसूचित-जाति वर्ग की आबादी के मान से बजट प्रावधान - मीना सिंह

प्रदेश में अनुसूचित-जाति वर्ग के लोगों की शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिये राज्य सरकार ने अपने बजट में पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। इसके लिये प्रदेश की अनुसूचित-जाति की आबादी के मान से विभागीय बजट में 15.6 प्रतिशत राशि का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2002-03 में विभागीय बजट जहाँ करीब 298 करोड़ रुपये हुआ करता था, वह वर्ष 2021-22 में बढ़कर करीब 1498 करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार इस अरसे में बजट में पाँच गुना वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अनुसूचित-जाति वर्ग के प्रति अति संवेदनशील है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समाज के सभी वर्गों के बीच अनुसूचित-जाति के प्रति सामाजिक समरसता कायम करने के लिये भी ठोस प्रयास किये हैं।

विभाग द्वारा तैयार किया गया रोडमैप

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के मकसद से अनुसूचित-जाति कल्याण विभाग द्वारा रोडमैप तैयार किया गया है। रोडमैप में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने तथा ऑनलाइन स्वीकृति की व्यवस्था की गई है। हितग्राहियों की जानकारियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। विभाग ने ई-ऑफिस सिस्टम को लागू करने के लिये जिलों से होने वाले पत्राचार को पेपरलेस किया जा रहा है। योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये वार्षिक कैलेण्डर तैयार कर पालन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभाग की रोजगारमूलक योजनाओं और कौशल उन्नयन की योजनाओं का ग्रामीण विकास, उद्योग, कृषि, उद्यानिकी और तकनीकी विभाग के साथ कन्वर्जेंस कर पुनर्गठन किया जा रहा है।

शिक्षा विकास की कुँजी

प्रदेश की अनुसूचित-जातियों का शैक्षिक उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। अनुसूचित-जाति के बालक-बालिकाओं के शैक्षणिक उत्थान के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। पोस्ट-मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना में इस वर्ष अब तक कक्षा-11वीं से महाविद्यालयीन स्तर तक के करीब 4 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थियों को 396 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि उपलब्ध करायी गई है। पोस्ट-मेट्रिक छात्रवृत्ति में स्वीकृति तथा वितरण में पारदर्शिता लाने के लिये ऑनलाइन फार्म जमा करने की व्यवस्था लागू की गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 से और अधिक पारदर्शिता लाने के मकसद से छात्रवृत्ति का भुगतान आधार लिंक बैंक खातों में करने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2021-22 में पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिये 404 करोड़ रुपये की राशि प्रावधानित है। प्रदेश में इस वक्त कक्षा-एक से 10 तक के 17 लाख से अधिक अनुसूचित-जाति वर्ग के विद्यार्थियों को प्री-मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिया जा रहा है।

कन्या साक्षरता

प्रदेश में अनुसूचित-जाति वर्ग की कन्याओं को मेट्रिक की शिक्षा के बाद आगे की शिक्षा के लिये प्रोत्साहित किये जाने के मकसद से कन्या साक्षरता योजना संचालित है। योजना में कक्षा-10वीं पास करने वाली कन्याओं को कक्षा-11 में प्रवेश लेने पर तीन हजार रुपये सालाना की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की संजीवनी बनेगा प्रदेश का पर्यटन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संकल्प और साहसी निर्णयों ने आज मध्यप्रदेश को विकासशील राज्य की अग्रिम पंक्ति में लाकर खड़ा किया है। उनके प्रयासों और संकल्प से आज पर्यटन क्षेत्र आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की संजीवनी के रूप में उभरा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश एक दूसरे के पूरक है।

नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य और अद्भुत स्थापत्य कला के धनी मध्यप्रदेश का गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति पूरे भारत में अद्वितीय है। जिस तरह हीरे की असली परख जौहरी को ही होती है उसी तरह मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और विकास की असीम संभावनाओं को तलाशने का हुनर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान में ही है। उन्होंने न सिर्फ प्रदेश के नैसर्गिक और लुभावने स्थलों को पर्यटन के लिए विकसित किया बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए। अब पर्यटन सिर्फ मनोरंजन नहीं रहा बल्कि रोजगार, स्थानीय संस्कृति और खान-पान, कला और स्थापत्य कला का केंद्र-बिंदु भी बनके उभरा है।

कोरोना काल में भी हुए नवाचार

मुख्यमंत्री श्री चौहान के निर्देशन में पर्यटन विभाग ने कोविड के बाद की परिस्थितियों के अवसरों को तलशाना जारी रखा। नित नए प्रयासों और नवाचारों से मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं को ढूंढने के उद्देश्य को लेकर सतत प्रयास किया। पर्यटन के प्रमुख क्षेत्र वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, हेरिटेज टूरिज्म, लेइश्यरू टूरिज्म और पिलग्रिमेज टूरिज्म की सभी संभावनाओं को विकसित किया गया। सभी उम्र के व्यक्तियों की रुचियों को ध्यान में रखकर गतिविधियाँ आयोजित की गई। रूरल टूरिज्म, हेरिटेज वॉक, इंस्टाग्राम मांडू टूर, साइकिल टूर, आर्ट एंड क्राफ्ट बाजार, म्यूजिकल कंसर्ट और फूड बाजार जैसे नवाचार किये गये।

एडवेंचर टूरिज्म का हॉटस्पॉट मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश एडवेंचर टूरिज्म का हॉटस्पॉट बनके उभरा है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और मनभावन वातावरण अनायास ही ट्रेकिंग, सफारी और कैंपिंग के शौकीनों को आकर्षित करता है। एडवेंचर टूरिज्म की इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन विभाग ने प्रदेशभर में 30 से ज्यादा कैंपिंग साइट विकसित किए गए हैं। पर्यटकों के हॉलिडे को %एक्टिव हॉलिडे% में परिवर्तित करते हुए टूर-डे सतपुड़ा, हेरिटेज रन, पचमढ़ी मॉनसून मैराथन जैसे कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की गई है। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में बैलून सफारी, टाइग्रेस ऑन ट्रेल और भोपाल में प्रदेश के पहले ड्राइव इन सिनेमा की स्थापना आदि प्रमुख नवाचार रहे हैं।

वर्तमान में भी मध्यप्रदेश को %365 डेज का टूरिस्ट डेस्टिनेशन% बनाने का संकल्प लेकर सतत प्रयास किये जा रहे हैं। वार्षिक आयोजनों की श्रृंखला में 5 जल महोत्सवों और ओरछा महोत्सव का आयोजन किया गया है। वेब सीरीज पंचायत, गुल्लक और धाकड़ के फिल्मांकन से मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इसी दिशा में %ग्रामीण पर्यटन% की संकल्पना पर वैल्यू फॉर

मनी डेस्टिनेशन के विकास कार्य में स्थानीय लोगों को भागीदार बनाया जाएगा। इससे क्षेत्र विशेष की संस्कृति और धरोहर से पर्यटक परिचित हो सकेंगे।

वैलनेस एंड माइंडफुल टूरिज्म

मध्यप्रदेश को %वैलनेस एंड माइंडफुल टूरिज्म% के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी निरंतर प्रयास जारी है। इसमें पर्यटकों को पर्यटन के साथ योग, ध्यान और नेचुरोपैथी आदि से जोड़ा जाएगा। साथ ही %आस-पास टूरिज्म% की अवधारणा पर पड़ोसी राज्य के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए छोटी अवधि के टूर प्लान बनाए गए हैं। इससे पर्यटक अपने वीकेंड का प्लान मध्यप्रदेश में कर सकेंगे। इन छोटे-छोटे टूरिस्ट पैकेज से मध्यप्रदेश में पर्यटकों का निरंतर आवागमन भी बना रहेगा और इस आवागमन से आस-पास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियाँ भी बढ़ेंगी।

पर्यटन-संस्कृति का बेजोड़ संगम और मध्यप्रदेश

प्रदेश में कोरोना संक्रमण से उपजे अवसाद और तनाव के समय में प्रदेशवासियों को राहत देते हुए इस साल पर्यटन विभाग ने उत्सवों का आयोजन किया। इन उत्सवों में पर्यटन और संस्कृति का बेजोड़ संगम देखने को मिला। पर्यटकों ने न सिर्फ स्थान विशेष के नैसर्गिक सौंदर्य को निहारा बल्कि क्षेत्र विशेष की स्थानीय संस्कृति और खान-पान से भी परिचित हुए। नव वर्ष के शुभारंभ के साथ ही मशहूर प्राचीन शहर मांडू में 13-15 फरवरी को %मांडू फेस्टिवल% और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो में 20 -26 फरवरी 2021 तक 47वां खजुराहो नृत्य समारोह किया गया। भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों पर केन्द्रित देश का शीर्षस्थ समारोह %खजुराहो नृत्य समारोह% राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त है। इसमें देश एवं विश्व के विख्यात कलाकार अपनी नृत्य प्रस्तुतियाँ देते हैं।

इसी तरह प्राचीन शहर मांडू में मांडू फेस्टिवल के दौरान ऐतिहासिक शहर के अनेक रोचक पहलु से पर्यटकों को अवगत कराया गया। उत्सव के दौरान कबीर कैफे, मुक्ति म्यूजिक बैंड और स्थानीय कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रात:कालीन योग सत्र, हेरिटेज वॉक्स, साइकिलिंग टूर, स्टोरी टेलिंग, ट्रेजर हंट, फोटो प्रतियोगिता जैसी रोचक गतिविधियों में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय संस्कृति, कला और स्थानीय व्यंजनों के स्वाद से भी पर्यटक परिचित हुए। प्रयास यह है कि पर्यटकों को कोई असुविधा नहीं हो और वे मध्यप्रदेश से अविस्मरणीय अनुभवों को अपने साथ ले जाए। प्रदेश की संस्कृति भी पर्यटन का प्रमुख आधार है। पर्यटन के साथ-साथ क्षेत्र विशेष की संस्कृति, धरोहरों, परंपराओं, रीति-रिवाजों और खान-पान से भी पर्यटकों को अवगत कराया जा रहा है। मध्य प्रदेश ने न केवल अपने प्राचीन सुंदर रूप को सालों पहले सा बनाए रखा है, बल्कि इस समय के यात्रियों के लिए भी यह एक लुभावना गंतव्य है। पहाड़, जंगल, नदियाँ, समृद्ध विरासत, रोमांचक वन्य-जीवन और सांस्कृतिक विविधता से सजी मध्यप्रदेश की प्राकृतिक रचना, इसे वैभवशाली भूमि बनाती है।

कोरोना की आपदा में भी नहीं रुका स्वस्थ मध्यप्रदेश का काम - डॉ. प्रभुराम चौधरी

मध्यप्रदेश में श्री शिवराज सिंह चौहान का मुख्यमंत्री के रूप में चौथे कार्यकाल का एक साल, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों वाला साल रहा है। इस एक साल में प्रदेश ने कोविड-19 के संक्रमण के दौर और उससे स्वास्थ्य और उपचार के क्षेत्र की चुनौतियों का जीवटता से मुकाबला किया। साथ ही अन्य बीमारियों के उपचार की व्यवस्थाओं और पूर्व में लक्षित कार्यों को भी आगे बढ़ाया। इस अरसे में सरकार की कोशिश रही कि कोविड-19 के चलते स्वस्थ मध्यप्रदेश के काम भी पीछे नहीं रहे।

मार्च 2020 के दूसरे सप्ताह में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोरोना बीमारी को महामारी घोषित करने के साथ पूरे विश्व, हमारे देश और प्रदेश के लिए यह जरूरी हो गया था कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित व्यक्तियों के उपचार के प्रबंधन की रणनीति तैयार कर तेजी से काम किया जाये। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संकल्पशील नेतृत्व में प्रदेश ने रणनीति तैयार कर उस पर काम करना भी शुरू किया। कोरोना काल में लॉक डाउन के दौरान और उसके बाद कोरोना प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करते हुए मरीजों के उपचार का प्रबंधन किया। अप्रैल 2020 से अब तक कोराना पर नियंत्रण और कोरोना से लड़ने के लिए जरूरी व्यवस्थाएँ जुटाई। साथ-साथ अन्य बीमारियों के उपचार, रोकथाम के लिए संचालित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन भी जारी रखा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ स्वयं मैंने भी कोरोना की स्थिति की नियमित और अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समय-समय पर समीक्षा की। इससे कोरोना जैसे अदृश्य शत्रु का मुकाबला करने के लिये प्रदेश तो सक्षम हुआ ही और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण का काम भी जारी रहा।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सुदृढ़ीकरण

पिछले एक साल में सभी 51 जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित इन्टेसिव केयर यूनिट और आइसोलेशन वार्डों का विस्तार किया गया। सभी 91 सिविल, 324 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 6 बिस्तरीय 1207 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सुविधाओं का विस्तार किया गया। प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श से उपचार उपलब्ध करवाने के लिए कम्युनिटी हेल्थ आफिसर की पद-स्थापना की गई।

सड़कें होगी आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की रीढ़ - गोपाल भार्गव

यूरोप हो या अमेरिका उनके आधुनिक और विकसित नजर आने का पहला अहसास वहाँ की चौड़ी-चौड़ी सड़कें, फ्लाई ओवर और उन पर दौड़ती नजर आती मोटर-कार से आता है। और आए भी क्यों नहीं? ईसा से 2500 वर्ष पुरानी सिन्धु व हड़प्पा सभ्यता हो या फिर मिश्र और मेसोपोटामिया की समृद्धि का मापदण्ड भी वहाँ का आर्किटेक्चर, विकसित सड़कें और मिश्र के पिरामिड के वास्तु-विन्यास को ही माना जाता है। भारत के इतिहास में शेरशाह सूरी जैसे शासक को भी उसके द्वारा तत्कालीन भारत के चढ़गाँव (बांग्लादेश) से वर्तमान काबुल (अफगानिस्तान) के लिए निर्मित वर्तमान जी.टी.रोड (ग्रांड ट्रक रोड) के लिए याद किया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के समय नार्थ-साउथ कोरिडोर के रूप में देश को आधुनिक विकसित सड़कों से जोड़ने वाले युग का शुभारंभ हुआ। ग्रामीण अंचल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों ने एक तरह से ग्रामों की अर्थ-व्यवस्था को बदल दिया है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश में भी सड़कों के निर्माण, उनके सुदृढ़ीकरण पर राज्य सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया गया है। सड़कें विकास की संवाहक है। सड़कों के अभाव में विकास बेमानी हो जाता है। राज्य सरकार द्वारा सड़को के माध्यम से विकास के रथ को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का काम व्यापक-दूरदृष्टि के साथ किया जा रहा है। इसकी झलक राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत 2021-22 के बजट में साफ नजर आती है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपने चौथे कार्यकाल के पहले वर्ष में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के सुदृढ़ भवन की जो परिकल्पना की, उसके आधार-भूत चार स्तम्भ में भौतिक अधो-संरचना को प्रथम स्तम्भ के रूप में रखा गया है।

सरकारी नौकरी: ड्राफ्ट्समैन और सुपरवाइजर के 572 पदों पर निकली भर्ती

17 मई तक जारी रहेगी एप्लीकेशन प्रोसेस

मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज ने ड्राफ्ट्समैन और सुपरवाइजर (बी/एस) के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। इन पदों के लिए इच्छुक कैंडिडेट्स अब 17 मई कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की तारीख बढ़ाने के साथ ही पदों की संख्या में भी बढ़ोतरी की है। अब इस रिक्रूटमेंट ड्राइव के जरिए कुल 572 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइटके जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पदों की संख्या

सुपरवाइजर- 458
ड्राफ्ट्समैन- 114

योग्यता

ड्राफ्ट्समैन- किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से आर्किटेक्चरल असिस्टेंटशिप में तीन साल डिप्लोमा हासिल किया हो।
सुपरवाइजर- इकोनॉमिक्स/कॉमर्स/स्टेटिस्टिक्स/बिजनेस स्टडीज/पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मास्टर डिग्री होना चाहिए।

आयु सीमा

इन पदों के लिए कैंडिडेट्स की न्यूनतम आयु 18 साल और अधिकतम आयु 30 साल तय की गई है। ज्यादा जानकारी के लिए नोटिफिकेशन देखें।

जरूरी तारीखें

ऑनलाइन शुरू होने की तारीख 22 मार्च
ऑनलाइन आवेदन की आखिरी तारीख 17 मई
फीस जमा करने की आखिरी तारीख 17 मई
लिखित परीक्षा की तारीख 20 जून

सिलेक्शन प्रोसेस

कैंडिडेट्स का सिलेक्शन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया की ज्यादा जानकारी के लिए डिटेल नोटिफिकेशन चेक कर सकते हैं।

ऐसे करें अप्लाई

इन पदों के लिए कैंडिडेट्स स्श्वस् की ऑफिशियल वेबसाइट द्वद्गह्य.द्द१1.द्बठ्ठ के जरिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

सरकारी नौकरी

दक्षिण पूर्व रेलवे में पैरामेडिकल पदों पर भर्ती के लिए करें आवेदन

दक्षिण पूर्व रेलवे (स्श्वक्र) ने पैरामेडिकल पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस रिक्रूटमेंट ड्राइव के जरिए स्टाफ नर्स समेत विभिन्न पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक कैंडिडेट्स इन पदों के लिए ऑफिशियल वेबसाइट ह्यद्गह्म.द्बठ्ठस्रद्बड्ढठ्ठह्लड्डद्बद्य2ड्ड4ह्य.द्द१1.द्बठ्ठ के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कैंडिडेट्स ध्यान दें कि इन 53 पदों पर कॉन्?ट्रैक्?ट बेसिस पर भर्ती की जाएगी।

पदों की संख्या- 53

पद	संख्या
स्टाफ नर्स	20
ड्रेसर	05
हॉस्पिटल अटेंडेंट (पुरुष)	06
हॉस्पिटल अटेंडेंट (महिला)	07
हाउस कीपिंग असिस्टेंट	15

योग्यता

इन पदों के लिए 10वीं पास से लेकर नर्सिंग में डिग्री होल्डर तक आवेदन कर सकते हैं। पदानुसार योग्यता की जानकारी के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन देखें।

आयु सीमा

आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स की उम्र 18 से 40 साल तय की गई है। पदानुसार आयु सीमा की जानकारी और छूट से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन देखें।

सैलरी

सिलेक्ट हुए कैंडिडेट्स को 18,000 रुपए से 44,900 रुपए तक की सैलरी दी जाएगी।

CBSE:बोर्ड ने स्टूडेंट्स के लिए लॉन्च किया 'दोस्त फॉर लाइफ' ऐप

मेंटल हेल्थ से जुड़ी परेशानियों में होगा मददगार

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण एक बार फिर परीक्षाएं स्थगित हो चुकी है। ऐसे में स्टूडेंट्स को मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्टूडेंट्स की इस परेशानी में मदद करने के मकसद से सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (ष्टक्चस्श्व) ने एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। ष्टक्चस्श्व दोस्त फॉर लाइफ नाम का यह ऐप जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

CBSE के स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध है ऐप

यह एप्लीकेशन कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध है जिससे उन्हें अपने मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में मदद मिल सके। इससे पहले बोर्ड ने छात्रों के लिए टोल-फ्री नंबर भी जारी किया था। फिलहाल यह मोबाइल ऐप सिर्फ ष्टक्चस्श्व से सम्?बद्ध स्?कूलों के लिए है, जो एंड्रॉयड प्?लेटफॉर्म के लिए उपलब्?ध है।

फीचर:

स्टूडेंट्स अपनी सुविधानुसार टाइम स्लॉट चुन कर स्?पेशलिस्?ट से जुड़ सकेंगे।
स्टूडेंट और पेरेंट्स दो टाइम स्लॉट में से कोई भी एक चुन सकते हैं।
हफ्ते में तीन बार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ट्रेंड काउंसलर / प्रिंसिपल द्वारा लाइव काउंसलिंग सेशन नि:शुल्क आयोजित किए जाएंगे।
ऐप पर 12वीं के बाद के कोर्स गाइडेंस भी मिलेगा।
मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के टिप्स भी दिए जाएंगे।

बोर्ड ने जारी किया मैनुअल

बोर्ड ने स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के लिए सोशल, इमोशनल और अन्य पहलुओं पर परीक्षा की चिंता, इंटरनेट की लत, डिप्रेशन, व्यवहार में बदलाव जैसी परेशानियों से निपटने के लिए एक कंटेंट भी तैयार किया है। इसे ऑफिशियल वेबसाइट cbse.nic.in और CBSE के YouTube चैनल पर देख सकते हैं। इसके अलावा महामारी के कारण पैदा हुई परिस्थितियों पर एक मैनुअल भी cbse.nic.in पर उपलब्ध है।

कोरोना का असर: UGC ने यूनिवर्सिटीज को मई में होने वाली परीक्षाएं टालने के दिए निर्देश, हालातों की समीक्षा के बाद ऑनलाइन होंगे एग्जाम

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (त्रष्ट) ने सभी यूनिवर्सिटी को मई में होने वाली ऑफलाइन परीक्षाओं को फिलहाल के आयोजित ना करने का आदेश दिया है। त्रष्ट ने कहा कि यूनिवर्सिटी मई में ऑफलाइन परीक्षाएं न कराएं और स्थानीय परिस्थितियों की समीक्षा के बाद ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने का फैसला लें। आयोग ने इस बारे में सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को पत्र लिखकर कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच सभी का स्वास्थ्य और सुरक्षा सबसे जरूरी है।

UGC ने सभी यूनिवर्सिटी को लिखा पत्र

इस संबंध त्रष्ट के लिखे पत्र में कहा गया कि, ÿकोरोना के कारण बने मौजूदा हालात को ध्यान में रखते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि उच्च शिक्षा संस्थान मई के दौरान ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए कैंपस में होने वाली फिजिकल भीड़ से बचने के लिए रोक दें और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को राहत दे सकती है।ÿ इससे पहले, शिक्षा मंत्रालय ने सभी केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आदि) को मई में ऑफलाइन परीक्षा स्थगित करने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने कहा था कि इन परीक्षाओं के लिए जून, 2021 के पहले हफ्ते में फैसले की फिर से समीक्षा की जाएगी। एग्जाम को लेकर एजुकेशन मिनिस्ट्री के निर्देश सिर्फ सेंट्रल फंडेड इंस्टीट्यूशन के लिए थे। हालांकि, अब यूजीसी की एडवाइजरी उन सभी यूनिवर्सिटीज पर भी लागू होगी जो राज्य-संचालित और निजी विश्वविद्यालयों सहित उनके अंडर आते हैं।

संकट में मददगार

कोरोना ने बिगाड़े दिल्ली के हालात, अमिताभ बच्चन और बंगला साहिब गुरुद्वारा जरूरतमंदो की मदद के लिए तैयार

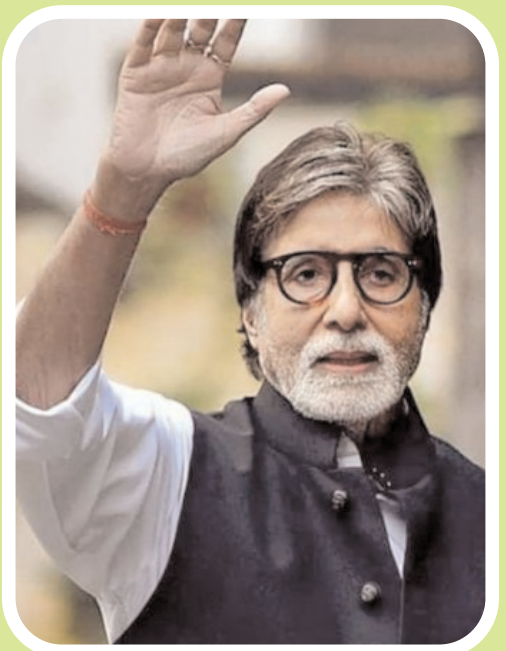

आजादी के बाद भारत के इतिहास में कोरोना बड़ा संकट बनकर खड़ा है। बीमारी की दूसरी लहर ने देश में कहर मचा दिया है। राजधानी दिल्ली सहित पूरे भारत में ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बिस्तर और चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता और किल्लत तेजी से बढ़ रही है। कोरोनावायरस की मार से दिल्ली शहर अपने सबसे कठिन समय से गुजर रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अभिनेता अमिताभ बच्चन, और बंगला साहिब गुरुद्वारा मदद के लिए आगे आए हैं।

गुरुद्वारा समित ने ऑक्सीजन लंगर शुरू किए

जरुरतमंदों की मदद के लिए समिति ने अपने गुरुद्वारों में चिकित्सा सुविधाओं को स्थापित करने की व्यवस्था की है। समिति द्वारा प्रबंधित कुछ गुरुद्वारों ने हाल ही मे ऑक्सीजन लंगर की शुरुवात की है। जहां कोविड मरीजों के लिए मुफ्त में ऑक्सीजन सुविधा की व्यवस्था की गई है। इस उपक्रम का सबसे ज्यादा लाभ उन नागरिकों को होगा, जिनकी आर्थिक परिस्थिति सही नही है।

लोगों को इतना दुखी देखना मुश्किल है

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक प्रवक्ता ने बताया, ÷इस बार कोरोनावायरस ने 2020 से भी ज्यादा भयानक तरीके से दिल्ली को संक्रमित किया है। हमारे आस-पास मौजूद सभी लोगों को इतना दुखी देखना मुश्किल है। हर दिन कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या एक नया कीर्तिमान बना रही है। हम उनकी मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। आखिर हमारे पास आशा की एक किरण होती है,जो हमें लड़ने की ऊर्जा देती है। इस मामले में, यह ऊर्जा और आशा हमे मानवता दे रही है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम मानवता की इस लड़ाई में लोगों की भरसक मदद कर सकें।

पिछले साल बिग बी ने पहुंचाई थी मदद

प्रवक्ता ने आगे बताया, ÷इस संकट में प्रत्याशित तरीकों से हमारे पास मदद आई है। पिछले साल भी हमे श्री अमिताभ बच्चन जी से मदद आई थी। उन्होंने बंगला साहिब गुरुद्वारा में हमारे गुरु हरकिशन पॉलीक्लिनिक डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए एमआरआई मशीन और सीटी स्कैनर प्रदान दिए हैं, जो दिल्ली के नागरिकों के लिए बहुत मददगार रहे हैं। इन मशीनों ने पिछले कुछ महीनों में असंख्य लोगों की जान बचाई है। हमारे दरवाजे पर दस्तक देने वाले कई कोविड मरीजों के इलाज में बड़े पैमाने पर यह मशीनों का उपयोग हुआ है। बच्चन साहब की सहायता के कारण हमे भी हौसला मिलता है और संकट की स्थिति पर काबू पाने की इच्छाशक्ति दोगुनी हो जाती हैं।

सॉन्ग आउटः सलमान खान और दिशा पाटनी स्टारर राधे का चौथा गाना जूम जूम हुआ रिलीज

सलमान खान और दिशा पाटनी स्टारर राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई का चौथा गाना जूम जूम रिलीज कर दिया गया है। मेकर्स और सलमान खान ने खुद भी इस गाने का वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है। सलमान ने इसके कैप्शन में लिखा, जूम जूम के लिए यह सही समय नहीं है। इसलिए घर पर जूम जूम देखें। प्लीज सुरक्षित रहें। इस रोमांटिक नंबर में सलमान और दिशा के शानदार डांस मूव्स और केमिस्ट्री देखने लायक है।

जूम जूम को साजिद-वाजिद ने किया है कंपोज

ऐश किंग और इयूलिया वंतूर की आवाज वाले गाने जूम जूम को साजिद-वाजिद ने कंपोज किया है। वहीं गाने को सीजर गोंसाल्वेस ने कोरियोग्राफ किया है। यह गाना भी फैंस को काफी पसंद आ रहा है। जूम जूम से पहले फिल्म के बाकी तीन गाने सीटी मार दिल दे दिया और टाइटल ट्रैक राधे सामने आ चुके हैं। इन तीन गानों से पहले फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया जा चुका है। अब फैंस को सिर्फ फिल्म रिलीज होने का इंतजार है।

पूजा बेदी का 50वां बर्थ-डे

जो जीता वही सिकंदर से मिली थी पूजा बेदी को पहचान, पर्सनल लाइफ में रहीं परेशान

पूर्व बॉलीवुड एक्ट्रेस और टीवी होस्ट पूजा बेदी 50 साल की हो गई हैं। 11 मई 1970 को उनका जन्म मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ था। पूजा फेमस टीवी और बॉलीवुड एक्टर कबीर बेदी की बेटी हैं। साल 1991 में फिल्म विषकन्या से पूजा ने बॉलीवुड में एंट्री ली थी। इसके बाद उन्होंने जो जीता वही सिकंदर (1992), लुटेरे (1993), और आतंक ही आतंक(1995), जैसी बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। जो जीता वही सिकंदर से उन्हें पहचान जरूर मिली थी लेकिन फिर वह उस मुकाम तक नहीं पहुंचीं जिसकी उम्मीद की जा रही थी। इसके अलावा वे नॉट जस्ट पेज-3 (2004, जूम टीवी, बतौर एंकर), जस्ट पूजा (2004 जूम टीवी, बतौर एंकर), झलक दिखला जा (2007, सोनी चैनल, बतौर कंटेस्टेंट), फियर फैक्टर = खतरों के खिलाड़ी (2008, कलर्स, बतौर कंटेस्टेंट) और बिग बॉस-5 (2011-12, कलर्स, बतौर कंटेस्टेंट) जैसे कई टीवी रियलटी/टॉक शोज में नजर आ चुकी हैं।

पति से हो चुका है तलाक

पूजा बेदी की पहली शादी 1990 में फरहान इब्राहिम फर्नीचरवाला से हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। बेटी आलिया फर्नीचरवाला, जो 23 साल की हो चुकी है और बेटा ओमर इब्राहिम, जो 20 साल का है। पूजा और फरहान की शादी करीब 12 साल तक चली। 2003 में उनका तलाक हो गया। पूजा की बेटी आलिया भी बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं।

मानक कॉन्ट्रैक्टर से कर चुकीं सगाई

पूजा ने ब्वॉयफ्रेंड मानक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई है। पूजा की सगाई वेलेंटाइन डे पर यानी 14 फ़रवरी, 2019 को हुई थी। बताया गया कि पूजा और मानक लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों ने सनावर के द लॉरेंस स्कूल से पढ़ाई की है। मानक द लॉरेंस स्कूल में पूजा से तीन साल सीनियर थे। मानक गोवा के रहने वाले हैं। पूजा अक्सर मानक के साथ अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

वीडियो पहचान से केवाईसी अपडेशन की सुविधा शुरू की

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोविड उपायों के संबंध में 5 मई, 2021 को की गयी अपनी प्रमुख घोषणाओं में वीडियो के जरिए ग्राहकों की पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) जिसे वीडियो केवाईसी शुरू करने का निर्णय लिया है। इसकी ओर से ग्राहकों की अतिरिक्ति श्रेणियों को शामिल करने और ग्राहकोनुकूल उपाय के रूप में वीडियो केवाईसी के जरिए समय-समय पर केवाईसी रिकॉर्ड्स को अपडेट करने की सलाह दी गयी है। प्रतिक्रिया स्वरूप, आईडीबीआई बैंक ने वी-सीआईपी के माध्यम से आवधिक केवाईसी अपडेशन की सुविधा शुरू की है। इस पहल की घोषणा करते हुए, श्री सुरेश खटनहार, उप प्रबंध निदेशक ने कहा, आईडीबीआई बैंक द्वारा पेश किए गए विभिन्न डिजिटल उपायों की निरंतरता में, ग्राहक अब शाखाओं में गये बिना ही वी-सीआईपी के माध्यम से अपना केवाईसी अपडेट कर सकते हैं। ग्राहक, बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध वी-सीआईपी लिंक के जरिए अपनी सुविधानुसार प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यह पूरी तरह से संपर्क रहित प्रक्रिया है।

इकोनॉमी पर दबाव बढ़ेगा

थोक महंगाई अप्रैल में उछलकर

9.1 प्रतिशत पर जा सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। थोक महंगाई अप्रैल में उछलकर 9.1 प्रतिशत पर जा सकती है, जबकि खुदरा महंगाई घटकर 3.9 प्रतिशत पर रह सकती है। ये बातें मॉर्गन स्टैनली ने अपनी रिपोर्ट में कही है। उसका कहना है कि कोविड के बढ़ते मामलों के बीच महंगाई में उछाल इकोनॉमी पर दबाव बढ़ा सकता है। मॉर्गन स्टैनली ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, च्अप्रैल में पिछले साल के मुकाबले थोक महंगाई 9.1 प्रतिशत रह सकती है। मार्च में लो बेस के चलते थोक महंगाई दर 7.4 प्रतिशत रही थी। खाने पीने के दाम में महंगाई की रफ्तार घटने का अनुमान है। लेकिन कम बेस इफेक्ट के चलते दूसरे सामान में महंगाई में तेज उछाल आने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खुदरा महंगाई अप्रैल में घटकर 3.9 प्रतिशत के लेवल पर आ सकती है। मार्च में खुदरा महंगाई की दर 5.5 प्रतिशत थी। इसकी वजह बेस इफेक्ट के अलावा खाने-पीने के सामान के दाम में आई कमी थी। इसके अलावा पिछले साल के हाई बेस इफेक्ट के चलते कोर (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स) में भी कमी आने का अनुमान है। मॉर्गन स्टैनली ने रिपोर्ट में औद्योगिक उत्पादन दर में भी तेज उछाल आने का अनुमान दिया है। उसके मुताबिक, च्मार्च में औद्योगिक उत्पादन की दर 20.1 प्रतिशत पर आ सकती है। पिछले फरवरी में लो बेस के चलते इस साल इस महीने सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत की नेगेटिव ग्रोथ हुई थी।

अप्रैल में हायरिंग गतिविधियों में 15 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की दूसरी लहर के कारण लगाए जा रहे लॉकडाउन जैसे स्थानीय प्रतिबंधों का हायरिंग गतिविधियों पर बुरा असर पड़ रहा है। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स के अनुसार, अप्रैल में हायरिंग यानी नौकरियों से जुड़ी गतिविधियों में 15 प्रतिशत की गिरावट रही है। इंडेक्स के अनुसार, अप्रैल में 2,072 नौकरियां पोस्ट हुई हैं। जबकि पिछले महीने यानी मार्च में 2,436 नौकरियां पोस्ट हुई थीं। नौकरी डॉट कॉम के चीफ बिजनेस ऑफिसर पवन गोयल का कहना है कि कोविड-19 की दूसरी लहर हायरिंग गतिविधियों को प्रभावित कर रही है। यही कारण है कि अप्रैल में लगातार 15 प्रतिशत की गिरावट रही है। हालांकि, अभी जॉब मार्केट पर इतना प्रभाव नहीं पड़ा है, जितना अप्रैल 2020 में हुआ था। अप्रैल 2020 में नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स में मासिक आधार पर 51 प्रतिशत की गिरावट रही थी। उस समय सख्त देशव्यापी लॉकडाउन था, जब इस समय अर्थव्यवस्था खुली हुई है।

कोविड से निपटने के लिए उत्पादों की श्रृंखला के साथ है तैयार

बेंगलुरु, एजेंसी। कोविड-19 वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए सायकल प्योर अगरबत्ती के निर्माता एन रंगा राव एंड संस ने हीलिंग टच ब्रांड के तहत आयुष प्रमाणित आयुर्वेदिक हैड सैनिटाइजर और बहु-कीटाणुनाशक स्प्रे को लॉन्च किया है। नींबू तेल आधारित सैनिटाइज़र इस तरह से सौम्यता के साथ तैयार किया गया है, जो त्वचा पर कोमल प्रभाव डालता है और साथ ही 99.9त्न सुरक्षा प्रदान करता है। हीलिंग टच सरफेस डिसइन्फेक्टेंट स्प्रे (कीटाणुनाशक छिड़काव) तुरंत कठोर और मुलायम सतहों पर कीटाणुओं को नष्ट करते हुए आपके प्रियजनों के लिए एक सुरक्षित और रोगजनक मुक्त वातावरण का निर्माण करता है। भारत में कोविड-19 वायरस की दूसरी लहर काफी तेजी से बढ़ रही है और इसे देखते हुए हीलिंग टच स्वच्छ उत्पादों के प्रभावी इस्तेमाल के जरिए विषाणु को आपसे दूर रखने की

अहमियत पर जोर देता है। आयुष प्रमाणित हीलिंग टच हैंड सैनिटाइजर में प्राकृतिक नींबू तेल (विटामिन सी से भरपूर) के साथ 70त्न अल्कोहल है। यह बाजार में दो वैरिएंट्स- लिक्विड और जेल में 100 एमएल, 250 एमएल और 500 एमएल के बोतल में उपलब्ध है। बाजार में पहली बार कदम रखते हुए ब्रांड ने कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, एनसीआर और पश्चिम बंगाल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उत्पाद के बारे में बताते हुए रिप्पल फ्रैंगरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किरण रंगा ने कहा, 'हीलिंग टच को बनाने का उद्देश्य उपभोक्ताओं के निजी और सार्वजनिक स्वच्छ व्यवहारों में सुधार लाने में मदद करना है। एक बार फिर से महामारी के जोर पकड़ने की वजह से हमने हमारी आपूर्ति श्रृंखला और वितरण माध्यमों को तैयार किया है ताकि बढ़ी हुई मांग की पूर्ति की जा सके। हम इस योजना पर काम कर रहे हैं कि हमारे उत्पाद इस कठिन समय में स्टॉक से खत्म न होने पाएं।'उन्होंने कहा, 'हम प्रत्येक व्यक्ति से टीका लेने की अपील करते हैं। हमारा अनुरोध है कि सभी लोग सरकार की तरफ से सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें। हम लगातार नई जगह पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं ताकि सभी तक हमारे उत्पाद की पहुंच सुनिश्चित हो पाए।' हीलिंग टच मल्टी सरफेस बहु-कीटनाशक स्प्रे में नींबू तेल है, जो कि प्राकृतिक रूप से कीटनाशी है और इस्तेमाल के दौरान यह वातावरण में सुगंध भी फैलाता है।

बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली इकोनॉमिक अफेयर्स की कैबिनेट कमेटी ने बैंक के विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक का कंट्रोल जल्द ट्रांसफर कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली इकोनॉमिक अफेयर्स की कैबिनेट कमेटी ने बैंक के रणनीतिक विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही बैंक के मैनेजमेंट कंट्रोल को भी ट्रांसफर किया जाएगा। बैंक का शेयर बुधवार सुबह 8 प्रतिशत ऊपर था। हालांकि बाजार बंद होते समय यह 4.40 प्रतिशत बढ़ कर 37.95 रुपए पर बंद हुआ। एक बयान में सरकार ने कहा कि सरकार और एलआईसी दोनों इस बात पर सहमत हुए हैं कि रिजर्व बैंक के साथ मिलकर इससे संबंधित लेन-देन के मामले में बात होगी और साथ ही

समय भी तय किया जाएगा। रिजर्व बैंक इसलिए इस मामले में बैंकिंग रेगुलेटर है। एलआईसी इसलिए है क्योंकि उसके पास बैंक की मेजॉरिटी होल्डिंग है। एलआईसी बोर्ड ने पहले ही दे दी थी मंजूरीः एलआईसी के बोर्ड ने बैंक में हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी पहले ही दे दी थी। इसमें मैनेजमेंट कंट्रोल की भी बात थी। सरकार और एलआईसी दोनों के पास बैंक की 94 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। इसमें सरकार की 45.48 प्रतिशत और एलआईसी की 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलआईसी अभी इस बैंक की प्रमोटर है। साथ ही मैनेजमेंट कंट्रोल भी उसी के पास है। एलआईसी बोर्ड ने रिजोल्यूशन पास किया थाः एलआईसी बोर्ड ने जो रिजोल्यूशन पास किया था, उसके मुताबिक वह अपना हिस्सा तो कम करेगी ही, साथ ही रणनीतिक बिक्री के तहत सरकार भी इसमें हिस्सा घटा सकती है।

दूसरी बार किस्त भरने में मिली राहत

मुंबई। कोरोना की दूसरी लहर में एक बार फिर रिजर्व बैंक ने अचानक राहत पैकेज लाकर चौंका दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसी राहत पैकेज में अगर आपने बैंक से लोन लिया है तो उस पर मोरेटोरियम की सुविधा शुरू करने के लिए बैंकों से कहा है। हालांकि यह बैंकों के ऊपर है कि वे आपको इसका लाभ देंगे या नहीं और किस तरह देंगे, यह भी उन्हीं के ऊपर है। हम बताते हैं कि आपको इस मोरेटोरियम से कैसे मदद मिल पाएगी। आरबीआई ने महामारी के कारण देश भर में लॉकडाउन के कारण होने वाली दिक्कतों से उबरने के लिए 2 साल तक के लोन मोरेटोरियम की घोषणा पहली बार की थी। लोन लेने वाले वे लोग, जो पहले मोरेटोरियम में इसका फायदा नहीं उठा पाए थे अब वे इस दूसरे ऑफर में फायदा उठा सकेंगे।

इंडियन ऑयल अपने अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के साथ मजबूती से खड़ा है

भोपाल/मुंबई। अपने अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के साथ मजबूत होते हुए, इंडियन ऑयल ने 'इंडियन ऑयल कर्मयोगी स्वास्थ्य योजना', को 1 मई 2021 को नवीनीकृत किया है। इस स्वास्थ्य बीमा योजना में 3.3 लाख से अधिक रिटेल आउटलेट कस्टमर अटेंडेंट, एलपीजी डिलीवरी बॉय, टैंक ट्रक करू तथा देश भर की पाइपलाइनों पर मौजूद सुरक्षा गार्ड आदि शामिल होंगे। ये सभी कर्मी इस महामारी के बावजूद देश में ऊर्जा आपूर्ति को निर्बाध रखने के लिए इंडियन ऑयल के प्रयासों में आगे रहकर काम कर रहे हैं। चिकित्सा बीमा के अंतर्गत कर्मियों को जीवनसाथी सहित दो बच्चों के लिए बीमा सुरक्षा मिलना जारी रहेगा। हॉस्पिटलाइजेशन व कोविड से संबंधित बीमारियों पर खर्च के लिए बीमित व्यक्ति को 1 लाख रूपये का लाभ मिलेगा। बीमित व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु पर, परिवार 2 लाख रुपये के मुआवजे के लिए पात्र होगा। इंडियन ऑयल के संचालन में इससे जुड़े लोग हमेशा केन्द्र में रहे हैं। महामारी के बीच देश में ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में लगे कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मार्च 2020 में कर्म योगी स्वास्थ्य योजना शुरू की गई थी।

एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में किया बदलाव

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बदलाव किया है। अब 7 दिनों और 29 दिनों की एफडी पर 2.50 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसके अलावा अब आपको 5 से 10 साल की एफडी पर 5.75 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। नई ब्याज दरें 6 मई से लागू होंगी। इससे पहले इंडसइंड बैंक ने भी हाल ही में ने भी एफडी पर मिलने वाले ब्याज में बदलाव किया था। अवधि नई ब्याज दर (प्रतिशत में), 7 दिन से 29 दिन 2.50, 30 दिन से 90 दिन 3.00, 3 से 6 महीने 3.50, 6 से 11 महीने 25 दिन4.40, 11 महीने 25 दिन से 1 साल 5 दिन 5.10, 1 साल 5 दिन से 1 साल 11 दिन 5.15, 1 साल 11 दिन से 15 महीने 5.10, 15 महीने से 18 महीने 5.20, 18 महीने से 2 साल 5.25, 2 साल से 5 साल 5.40, 5 साल से 10 साल 5.75, इंडसइंड बैंक ने एफडी पर मिलने वाले ब्याज में की कटौती, इंडसइंड बैंक अब 7 से

30 दिनों की मैच्योरिटी वाले डिपॉजिट पर 2.75 प्रतिशत का ब्याज देगा। इंडसइंड बैंक में 31 से 45 दिनों की मैच्योरिटी वाले डिपॉजिट पर 3 प्रतिशत, 46 से 60 दिनों की मैच्योरिटी पर 3.50 प्रतिशत और 61 से 90 दिनों की मैच्योरिटी पर 3.75 2011 में देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई फिक्स्ड डिपॉजिट पर अधिकतम 9.25 प्रतिशत तक का ब्याज दे रहा था। जो अब 5.40 पर आ गया है।

टू व्हीलर कंपनी को तीन महीने में 865 करोड़ का प्रॉफिट

मुंबई, एजेंसी। दो पहिया गाड़ी बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। 2021 में जनवरी से मार्च के दौरान कंपनी को 865 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ। ऑपरेशन से रेवेन्यू 8,686 करोड़ रुपए का रहा। प्रॉफिट और रेवेन्यू दोनों पिछले साल की समान अवधि से 39 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने निवेशकों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है।

पूरे फाइनेंशियल इयर के लिए प्रति शेयर 25 रुपए अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया गया है। स्पेशल डिविडेंड के तौर पर भी प्रति शेयर 10 रुपए डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि यह स्पेशल डिविडेंड टू व्हीलर का कुल प्रोडक्शन 10 करोड़ के पार जाने के अवसर पर है। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक कंपनी का एबीटा 1211 करोड़ रुपए रहा, जो

दिसंबर तिमाही में 1413 करोड़ रुपए का था। वहीं एबीटा मार्जिन 13.5 प्रतिशत रहा, जो पिछली तिमाही में 14.5 प्रतिशत था। मोटरसाइकिल और स्कूटर सेगमेंट कंपनी का मार्केट शेयर बढ़ा हीरो मोटोकॉर्प के सीइओ और चेयरमैन पवन मुंजाल ने कहा कि कोरोना के इस बुरे दौर में भी स्कूटर और मोटरसाइकिल सेगमेंट में कंपनी का मार्केट शेयर बढ़ा है। इसके अलावा हम अपनी स्थिति प्रीमियम सेगमेंट में भी मजबूत कर रहे हैं, जिसके लिए हार्ले-डेविडसन के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत कर रहे हैं।

पवन मुंजाल अगले पांच साल के लिए हीरो मोटोकॉर्प के ष्टश्वह्र और चेयरमैन पद पर बने रहेंगे, जो 1 अक्टूबर 2021 से शुरु होगा। बोर्ड ने इसकी मंजूरी दी। कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर निरंजन गुप्ता ने कहा कि अच्छे मानसून और अर्थव्यवस्था में सुधार से ऑटो इंडस्ट्री भी सितंबर तिमाही से पटरी पर लौटने लगेगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)